प्रो0 राधेश्याम सिंह

सम्प्रति– कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान (K.N.I.P.S.S) सुलतानपुर उ0प्र0– डा0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का आनुषंगिक संस्थान है।

शिक्षा– स्नातक, परास्नातक एवं पीएच0डी0 बी0एच0यू0 वाराणसी से।

शोध विषय– "केशव की रामचंन्द्रिका का औचित्यमूलक अध्ययन"

जन्म– उ0प्र0 के एक जनपद गाजीपुर के दीनापुर नामक ग्राम में।

जन्मतिथि– 20 मई सन् 1962

अध्यापन प्रारम्भ– 09–09–1989 से

प्रकाशित पुस्तकें– सीमान्त के कवि त्रिलोचन, आद्याप्रसाद उन्मत का काव्य, गाँधी एक सार्थक विकल्प, उत्तर भारत के गाँव, मेरे अशआर को चुमोगे पर मेरे बाद–अजमल, विवेकानन्द विचार (अब इसका अंग्रजी अनुवाद उपलब्ध, एक्सिस प्रकाशन, नई दिल्ली) कुँवर नरायण की विचार भूमि (यंत्रस्थ)।

आलेख प्रकाशन– देश के हिन्दी साहित्य की प्रतिष्ठित पत्र पत्रिकाओ मे लगभग 150 आलेख प्रकाशित। जैसे–युगतेवर, दस्तावेज निष्कर्ष, कल के लिये, साहित्यपरिवार, अनसंधान, तद्भव आदि।

सम्पादन– संस्थान की वार्षिक शोध पत्रिका विमर्श के प्रधान संम्पादन व जनपद की महत्वपूर्ण पत्रिका विमर्श के संम्पादक व जनपद की महत्वपूर्ण पत्रिका युगतेवर के सहसंपादक, विभागीय पत्र पत्रिकाओ के संपादक मंडल के सदस्य।

शोध – अब तक 13 शोध छात्रो को पीएच.डी डिग्री एवार्ड, चार शोध छात्र कार्यरत । विभिन्न केन्द्रीय व राज्य विश्वविद्यालयों के शोध परीक्षक व व्याख्यान प्रदाता ।

प्रो0 राधेश्याम सिंह